तय समय में 1.60 लाख करोड़ के निवेश लक्ष्य को धरातल पर उतारे यूपीसीडा : नन्द गोपाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में हासिल निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की कोशिशों में जुटी सरकार ने अब ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) को लेकर विभागवार तय लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति की समीक्षा शुरू की है। इस कड़ी में सोमवार को औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल नन्दी ने पिकअप भवन सभागार में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) की समीक्षा के क्रम में भूमि पूजन के लिए तय 1.60 लाख करोड़ रुपये के निवेश लक्ष्य को जल्द धरातल पर उतारने के निर्देश दिए। कहा, एमओयू को धरातल पर उतारने के अभियान में और तेजी लाएं। बता दें कि यूपीसीडा ने फिलहाल 50 हजार करोड़ के निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने की तैयारी पूरी कर ली है।

यूपीसीडा के सीईओ मयूर महेश्वरी ने बैठक में बताया कि

यूपीजीआइएस

नन्द गोपाल नन्दी (फाइल फोटो)

यूपीजीआइएस में हुए एमओयू को लेकर निवेशक उत्साहित हैं। उद्यमी औद्योगिक विकास प्राधिकरण के क्षेत्र के साथ ही यूपीसीडा के क्षेत्र के बाहर भी कृषि भूमि लेकर कार्य करने को लेकर इच्छुक हैं। उन्होंने बताया कि लखनऊ में स्कूटर इंडिया की 150 एकड़ भूमि यूपीसीडा को मिल गई है। जिसका उपयोग होटल और आइटी इंडस्ट्री के साथ ही अन्य व्यावसायिक इकाइयों के लिए किया जाएगा। बाराबंकी में भी बड़े पैमाने पर यूपीसीडा को जमीन मिली है। बैठक में आइआइडीसी मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव उद्योग नरेंद्र भूषण, अनिल सागर, सीईओ यूपीसीडा मयूर महेश्वरी व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बंद पड़ी इकाइयों की भूमि पर सरकार की नजर

प्रदेश में बड़े पैमाने पर बंद औद्योगिक इकाइयों की भूमि पर सरकार की नजर है। पूरे प्रदेश में ऐसे करीब 1100 प्लाट हैं, जिन पर पिछले आठ वर्षों से कोई काम शुरू नहीं हुआ है। लखनऊ में ही 68 फैक्ट्रियां बंद पड़ी हैं। मंत्री नन्दी ने विशेष अभियान चला कर बंद पड़ी इकाइयों की भूमि को दोबारा उपयोग में लाने की बात कही। उन्होंने इसके लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। कहा, बीमार औद्योगिक इकाइयों को उद्यमी या तो बेच दें या किसी दूसरे उद्यमी को ट्रांसफर कर दें।